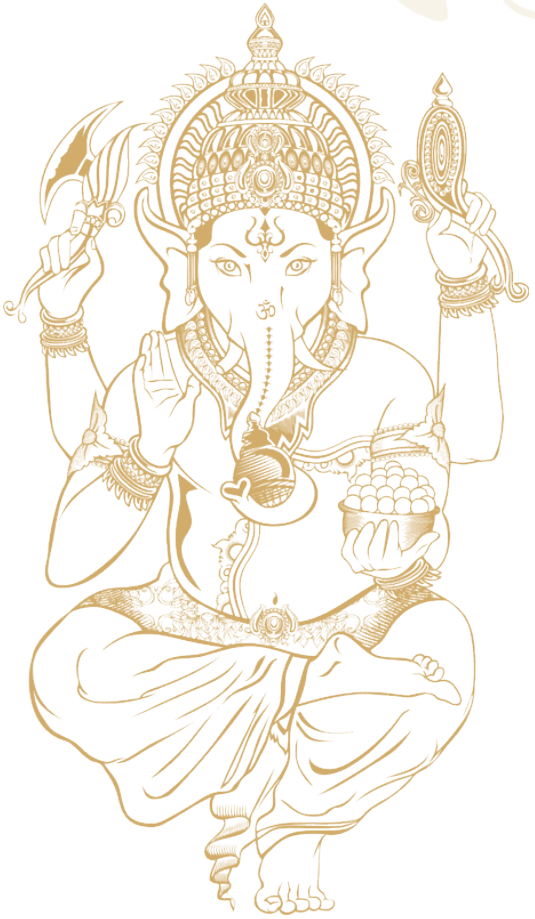

Nikhil

28 Feb 1999

05:10 PM

Jaipur Rly Station

Model: web-freekundliweb

Order No: 120908516

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/02/1999**
दिन	रविवार
जन्म समय	**17:10:38 घंटे**
इष्ट	25:44:59 घटी
स्थान	**Jaipur Rly Station**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:54:00 उत्तर
रेखांश	75:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:43:50 घंटे
वेलान्तर	-00:12:40 घंटे
साम्पातिक काल	03:15:15 घंटे
सूर्योदय	06:52:38 घंटे
सूर्यास्त	18:26:37 घंटे
दिनमान	11:33:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	15:35:21 कुम्भ
लग्न के अंश	29:43:33 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	अतिगण्ड
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:43:33	313:56:48	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			कुंभ	15:35:21	01:00:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	23:55:25	13:12:35	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	स्वराशि
मंगल			तुला	16:30:40	00:11:39	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			मीन	03:13:15	01:19:10	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	नीच राशि
गुरु			मीन	09:38:34	00:13:55	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मीन	14:18:00	01:13:39	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि			मेष	06:06:07	00:05:47	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु			कर्क	28:18:58	00:00:17	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु			मक	28:18:58	00:00:17	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	20:25:20	00:03:15	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप			मक	09:21:00	00:01:56	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:36:09	00:00:28	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मेष	27:23:44	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:33

लग्न-चलित

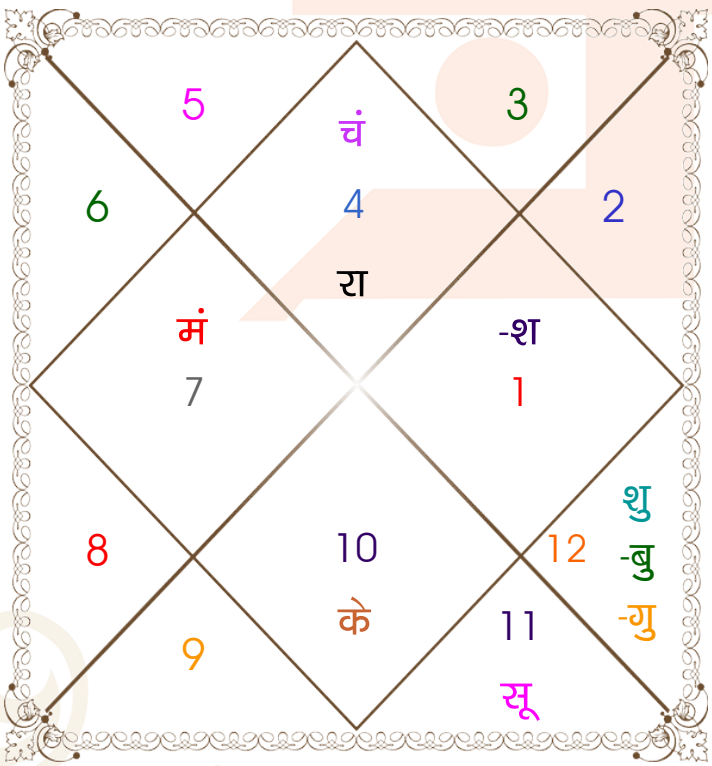

चन्द्र कुंडली

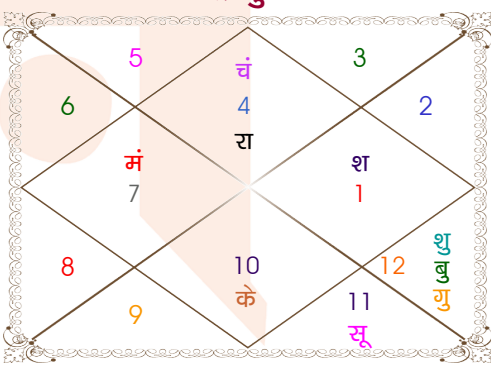

नवमांश कुंडली

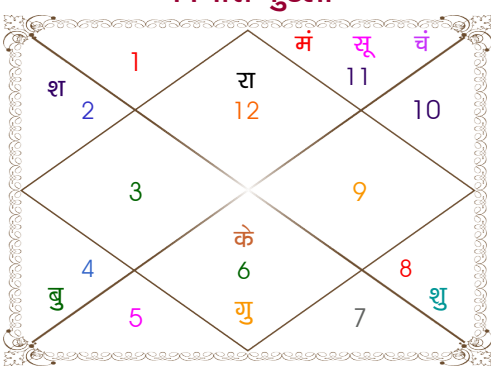

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 7 वर्ष 8 मास 29 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
28/02/1999		28/11/2006		28/11/2013		28/11/2033		28/11/2039	
28/11/2006		28/11/2013		28/11/2033		28/11/2039		28/11/2049	
	00/00/0000	केतु	26/04/2007	शुक्र	29/03/2017	सूर्य	17/03/2034	चंद्र	28/09/2040
	00/00/0000	शुक्र	25/06/2008	सूर्य	29/03/2018	चंद्र	16/09/2034	मंगल	29/04/2041
	00/00/0000	सूर्य	31/10/2008	चंद्र	28/11/2019	मंगल	22/01/2035	राहु	28/10/2042
	00/00/0000	चंद्र	01/06/2009	मंगल	27/01/2021	राहु	16/12/2035	गुरु	27/02/2044
	28/02/1999	मंगल	28/10/2009	राहु	28/01/2024	गुरु	04/10/2036	शनि	28/09/2045
मंगल	26/05/1999	राहु	16/11/2010	गुरु	28/09/2026	शनि	16/09/2037	बुध	27/02/2047
राहु	13/12/2001	गुरु	23/10/2011	शनि	28/11/2029	बुध	23/07/2038	केतु	28/09/2047
गुरु	20/03/2004	शनि	30/11/2012	बुध	28/09/2032	केतु	28/11/2038	शुक्र	29/05/2049
शनि	28/11/2006	बुध	28/11/2013	केतु	28/11/2033	शुक्र	28/11/2039	सूर्य	28/11/2049

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
28/11/2049		27/11/2056		28/11/2074		28/11/2090		29/11/2109	
27/11/2056		28/11/2074		28/11/2090		29/11/2109		00/00/0000	
मंगल	26/04/2050	राहु	11/08/2059	गुरु	15/01/2077	शनि	01/12/2093	बुध	26/04/2112
राहु	14/05/2051	गुरु	03/01/2062	शनि	29/07/2079	बुध	10/08/2096	केतु	24/04/2113
गुरु	19/04/2052	शनि	09/11/2064	बुध	03/11/2081	केतु	19/09/2097	शुक्र	22/02/2116
शनि	29/05/2053	बुध	30/05/2067	केतु	10/10/2082	शुक्र	19/11/2100	सूर्य	29/12/2116
बुध	26/05/2054	केतु	16/06/2068	शुक्र	10/06/2085	सूर्य	01/11/2101	चंद्र	30/05/2118
केतु	22/10/2054	शुक्र	17/06/2071	सूर्य	29/03/2086	चंद्र	03/06/2103	मंगल	01/03/2119
शुक्र	23/12/2055	सूर्य	11/05/2072	चंद्र	29/07/2087	मंगल	11/07/2104		00/00/0000
सूर्य	28/04/2056	चंद्र	09/11/2073	मंगल	04/07/2088	राहु	18/05/2107		00/00/0000
चंद्र	27/11/2056	मंगल	28/11/2074	राहु	28/11/2090	गुरु	29/11/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 7 वर्ष 9 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।